12 अगर न नभ में बादल होते

पठन से पूर्व

धरती पर जीवन के लिए जल का होना बहुत आवश्यक है। कहा भी गया है– जल नहीं तो जीवन नहीं। जल का मुख्य स्रोत बादल हैं। समुद्र के पानी से बना भाप आकाश में बादलों के रूप में एकत्रित होता है और धरती पर बरसता है। इससे धरती पर रहने वाले प्राणी प्रसन्न होकर जीवन-यापन कर पाते हैं।

पाठ-परिचय

इस कविता में बादलों का महत्त्व बताया गया है। बादलों के बरसने से गरमी से राहत मिलती है, नदी व झरनों में पानी आता है। पशु-पक्षी अपनी प्यास बुझाते हैं और पानी की लहरों का सौंदर्य दिखाई देता है। कवि कहता है कि यदि आकाश में बादल न होते तो यह सब कैसे संभव हो पाता।

चर्चा करें

बच्चों से प्रश्न पूछें कि आकाश में बादल कैसे आते हैं? इन्हें लाने में प्रमुख भूमिका किसकी होती है। चर्चा करें कि बादलों के न होने से धरती पर क्या-क्या समस्याएँ उठ खड़ी होतीं, क्या जीव-जंतु आनंदपूर्वक धरती पर निवास कर पाते।

कौन सिंधु से जल भर लाता,
उमड़-उमड़ जग में बरसाता?
गर्मी में तप-खप दिन खोते
अगर न नभ में बादल होते।

कभी न बिजली चमक दिखाती,
दुनिया में क्या दमक दिखाती?
कभी न बहते झरने-सोते
अगर न नभ में बादल होते।

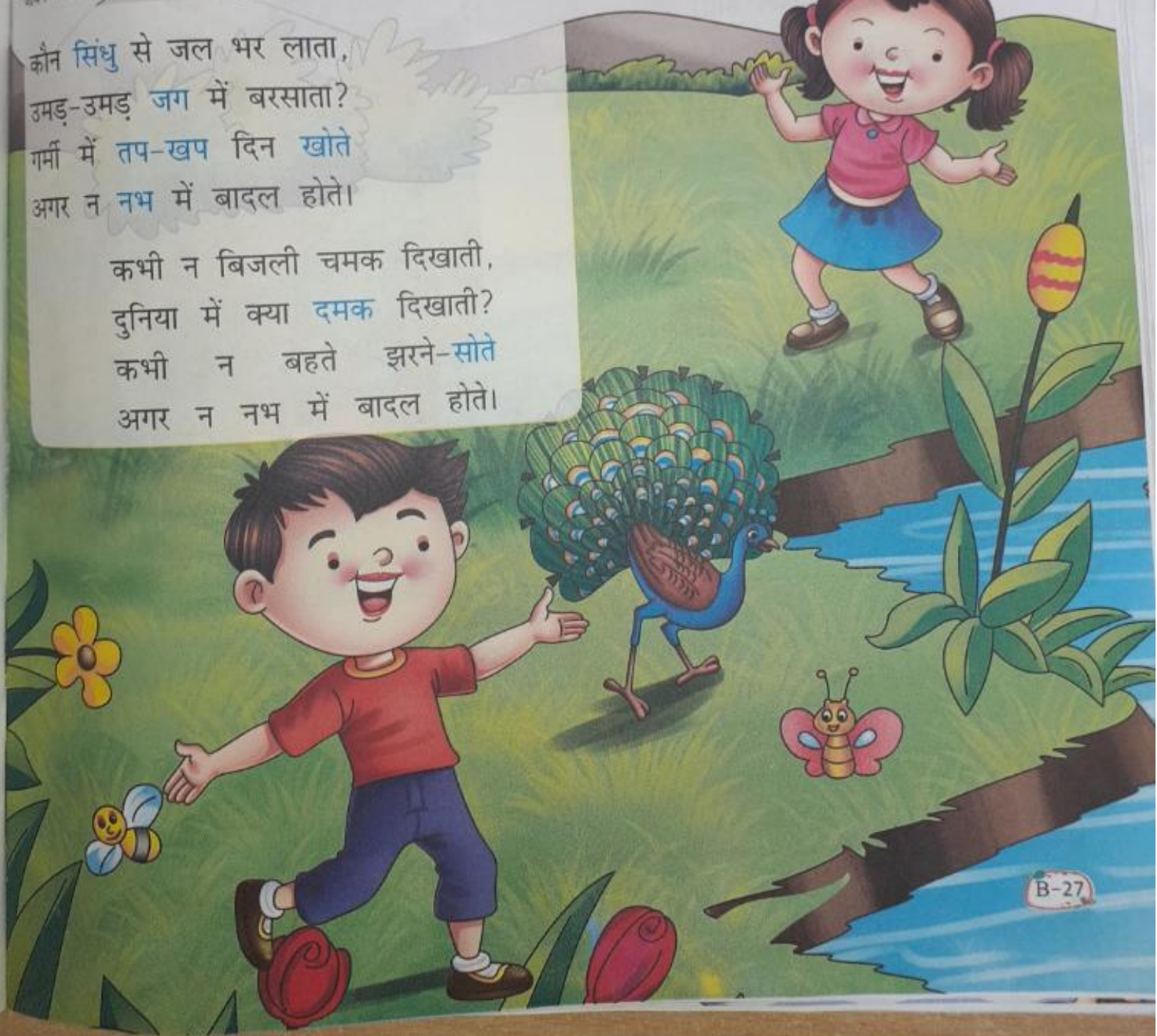

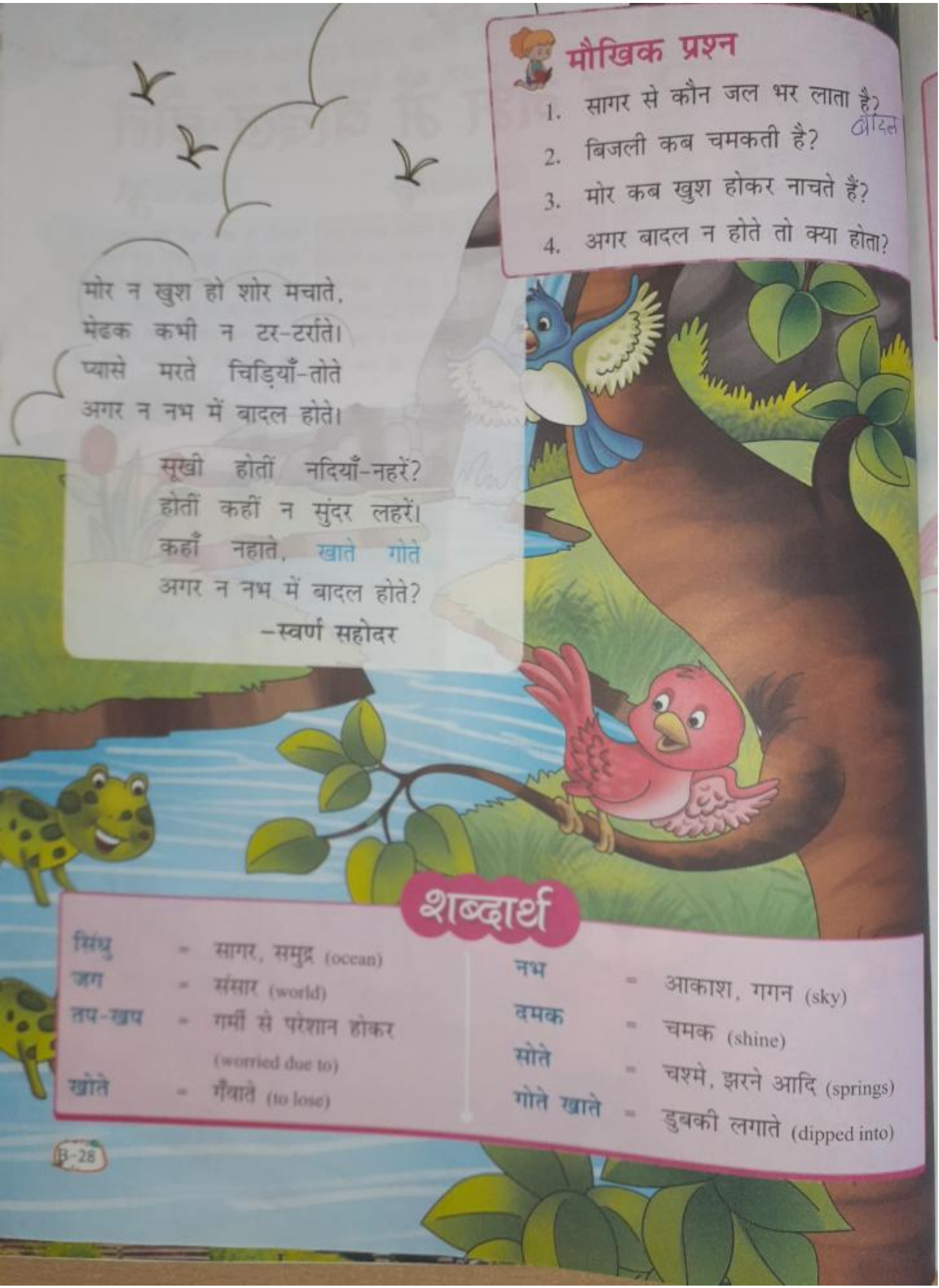

मोर न खुश हो शोर मचाते,
मेढक कभी न टर-टर्राते।
प्यासे मरते चिड़ियाँ-तोते
अगर न नभ में बादल होते।

सूखी होतीं नदियाँ-नहरें?
होतीं कहीं न सुंदर लहरें।
कहाँ नहाते, खाते गोते
अगर न नभ में बादल होते?

–स्वर्ण सहोदर

मौखिक प्रश्न

1. सागर से कौन जल भर लाता है?
2. बिजली कब चमकती है?
3. मोर कब खुश होकर नाचते हैं?
4. अगर बादल न होते तो क्या होता?

शब्दार्थ

सिंधु = सागर, समुद्र (ocean)
जग = संसार (world)
तप-खप = गर्मी से परेशान होकर (worried due to)
खोते = गँवाते (to lose)
नभ = आकाश, गगन (sky)
दमक = चमक (shine)
सोते = चश्मे, झरने आदि (springs)
गोते खाते = डुबकी लगाते (dipped into)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

सिंधु – सागर, समुद्र, जलधि
बिजली – विद्युत, तड़ित, दामिनी
चिड़िया – खग, पक्षी, नभचर
बादल – मेघ, जलद, घन
नदी – सरिता, तटिनी, दरिया
जल – नीर, वारि, पानी

विलोम शब्द

सुंदर × कुरूप | खुश × नाखुश | तपन × ठंडक

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

(क) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. बादल कहाँ रहते हैं और उसमें पानी कहाँ से आता है?
2. कौन, कब पानी बरसाता है?
3. मेढक कब टर्राते हैं और क्यों?
4. नदियाँ और नहरें अगर सूखी होतीं, तो क्या होता?

(ख) प्रश्नों के सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए।

1. दुनिया में किसकी दमक है?
   (i) पानी की ☐ (ii) वर्षा की ☐ (iii) बिजली की ✓
2. सागर से जल कौन भरता है?
   (i) वर्षा ☐ (ii) बादल ✓ (iii) नदी ☐
3. मोर कब खुश होते हैं?
   (i) वर्षा न होने से ☐ (ii) वर्षा होने से ✓ (iii) सूखा पड़ने से ☐
4. नदियाँ-नहरें कब सूखी होतीं?
   (i) आदमी के न होने से ☐ (ii) बादलों के न होने से ✓
   (iii) पहाड़ों के न होने से ☐

Date:
Page No:

पाठ 12 अगर न नभ में बादल होते

मौखिक प्रश्न

प्रश्न 1 सागर से कौन जल भर लाता है?

उत्तर सागर से बादल जल भर लाता है।

प्रश्न 2 बिजली कब चमकती है?

उत्तर बरसात होने पर बिजली चमकती है।

प्रश्न 3 मोर कब खुश होकर नाचते हैं?

उत्तर वर्षा होने पर मोर खुश होकर नाचते हैं।

प्रश्न 4 अगर बादल न होते तो क्या होता?

उत्तर अगर बादल न होते तो नदी और झरनों में पानी नहीं आता और हमें गरमी से राहत नहीं मिलती।

Date:
Page No:

लिखित प्रश्न

प्रश्न 1 बादल कहाँ रहते हैं और उसमें पानी कहाँ से आता है ?

उत्तर बादल आसमान पर रहते हैं और उसमें पानी सागर से भाप बनकर एकत्रित होता है।

प्रश्न 2 कौन, कब पानी बरसाता है ?

उत्तर बादल बरसात में पानी बरसाता है।

प्रश्न 3 मेढक कब टर्राते हैं और क्यों ?

उत्तर मेढक खुश होकर बरसात में टर्राते हैं।

प्रश्न 4 नदियाँ और नहरें अगर सूखी होंगी, तो क्या होगा ?

उत्तर नदियाँ और नहरें अगर सूखी होंगी तो धरती पर जीवन - यापन नहीं हो पाता।